कार्यात्मक प्रदेश की समस्या

कार्यात्मक क्षेत्र एक विशिष्ट कार्य के साथ एक विशिष्ट केन्द्र विंदु के आस-पास केन्द्रीत एक परिभाषित भौगोलिक क्षेत्र है। यह केन्द्रीय केन्द्र या केंद्र विंदु अक्सर कार्यात्मक क्षेत्र की प्रकृति को परिभाषित करते है। कार्यात्मक क्षेत्र जैसा नाम से ही स्पष्ट है वे क्षेत्र है जो किसी कार्य के कारण मौजूद होते है। यह केन्द्रीय नोड के आस-पास का क्षेत्र जहाँ एक गतिविधि होती है। कार्यात्मक प्रदेश में कार्य वाणिज्यिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक राजनीतिक या कुछ और भी हो सकती है। केन्द्रीय नोड के आस-पास के क्षेत्रों को इसके प्रभाव क्षेत्र के रूप में माना जा सकता है जैसे-2 दूरी बढ़ती जाती है प्रभाव कमजोर होता जाता है (दूरी-क्षय नियम)

कार्यात्मक-प्रदेश से स्पष्ट होता है कि इस प्रदेश का निर्माण किसी भी प्रदेश के गुण और उसके चारों तरफ व्याप्त संभवनाओं के बीच का अंतर एवं अन्तः सम्बन्ध है जो दोनों के क्रियान्वयन के फलस्वरूप उत्पन्न होता है। यह सम्बन्ध जिन रूपों में पाया जाता है वह कार्यात्मक प्रदेश का प्रकार बनता है। कार्यात्मक सम्बन्धों की समस्या निम्न है —

(1)

महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश की समस्या →

कार्यात्मक प्रदेश की सबसे ~~बड़ी~~ बड़ा उदाहरण महानगरीय प्रदेश है। इस प्रदेश के बारे में आप समझ सकते है कि महानगरीय क्षेत्र केन्द्र के केन्द्रीय विंदु के रूप में स्थित है। यहाँ का प्रमुख शहर वह होता है जो अधिकांश वाणिज्य एवं अन्य गतिविधि में लगा होता है। शहर या केन्द्रीय हब परिवहन मार्गों, व्यापार मार्गों और संचार द्वारा क्षेत्र ~~को~~ बाहरी हिस्सों से जुड़ा हुआ है केन्द्रीय क्षेत्र के भीतर आर्थिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लोग आस-पास के क्षेत्र से शहर से रोजाना आते है महानगरीय क्षेत्र में प्रशासनिक ~~शहर~~ कार्या० प्रदेश, औद्योगिक ~~शहर~~ कार्या० प्रदेश, परिवहन ~~शहर~~ कार्या० प्रदेश, वाणिज्यिक ~~नगर~~ कार्या० प्रदेश, खनन ~~शहर~~ कार्यात्मक प्रदेश, गेरीशन छावनी शहर (अंबाला, जलंधर, उधमपुर) शिक्षा ~~नगर~~ कार्या० प्रदेश, धर्म एवं सांस्कृतिक कार्या० प्रदेश, पर्यटन प्रदेश आदि आते है जिनमे निम्न समस्या देखी जाती है →

(1) शहरी फैलाव → Urban Sprawl ⇒

~~महानगर~~ महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश की सबसे बड़ी समस्या ~~का~~ कस्बों एवं शहरों का अनियोजित विस्तार ~~होना है बढ़ते~~ होता है। अधिकांश प्रदेश ~~के~~ का आर्थिक आधार उनके

अत्यधिक आकार से उत्पन्न समस्याओं से निपटने में असमर्थ हैं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-2 छोटे शहरों से बड़े प्रदेश (महानगरीय प्रदेश) में बड़े पैमाने पर आप्रवासन लगभग लगातार हुआ है जिससे शहरों का आकार बढ़ रहा है। कार्यात्मक प्रदेश में ग्रामीण अप्रवासियों में गरीबी, बेरोजगारी और कम रोजगार, भिक्षावृत्ति, चोरी, डकैती, सेंधमारी और अन्य सामाजिक बुराईयों का प्रकोप है। शहरी फैलाव के परिणामस्वरूप कीमती उपजाऊ कृषि भूमि का तेजी से नुकसान हो रहा है।

अप्रवासी आबादी का सबसे बड़ा दवाव महानगरीय क्षेत्रों के केन्द्रीय (Node) स्थान पर महसूस किया जाता है क्योंकि ऐसे कार्यात्मक प्रदेश चुम्बक के रूप में कार्य करते हैं और रोजगार के अवसरों और जीवन के आधुनिक तरीके से बड़ी संख्या में अप्रवासियों को आकर्षित करते हैं। इस तरह के हाइपरशहरीकरण से कार्यात्मक प्रदेशों की कार्य सीमा टूटती है जहाँ तक कार्य नहीं किया जा सकता है। दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर आदि आसपास के क्षेत्रों से लोगों के बड़े पैमाने पर प्रवासन के कारण शहरी फैलाव के उदाहरण हैं।

2) भीड़भाड़ ⇒ महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश की समस्या कम जगह में अधिक लोगों (Man land Ratio high) का रहना है जिससे क्षैतिज विकास उदग्र धारण कर लेती है और लोगों को सूर्यप्रकाश तथा शुद्ध हवा के लिए भी प्रौद्योगिकी की मदद लेनी पड़ती है।

3) आवास की समस्या ⇒ महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश में आवास की कमी की समस्या पैदा हो जाती है यह समस्या उन शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से अधिक तीव्र है जहाँ बेरोजगार एवं अर्द्धबेरोजगार वाले अप्रवासियों का एक बड़ा प्रवाह होता है।

4) बेरोजगारी → महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या एक गंभीर समस्या है। भारत में शहरी बेरोजगारी 15 से 25 % है जिसमें शिक्षित बेरोजगारी गंभीर समस्या है। गाँवों एवं छोटे शहरों से पलायन इस उम्मीद में कि कार्यात्मक प्रदेश में काम शीघ्रता से उपलब्ध हो जायेगा लेकिन इच्छुक की संख्या उपलब्ध नौकरियों की तुलना में अधिक होता है जिससे बेरोजगारी या लोगों का शोषण होता है।

5) मलिन बस्तियाँ (slum) ⇒ और अनाधिकृत बस्तियाँ ⇒ महानगरीय कार्यात्मक प्रदेश की सबसे बड़ी समस्या मलिन बस्तियों का उदभव है। मुम्बई का धारावी मलिन बस्ती एशिया का सबसे बड़ी मलीन बस्ती है।

औद्योगीकरण के साथ

तेजी से शहरीकरण के परिणामस्वरूप मलिन बस्तियों का विकास हुआ है मलिन बस्तियों का प्रसार कई कारकों के कारण होता है जैसे आवास के लिए विकसित भूमि की कमी, शहरी गरीबों की पहुँच से परे भूमि की उच्च कीमतें, नौकरी की तलाश में बहुत बड़े स्तर पर लोगों का प्रवाह ~~कार्यात्मक~~ विश्व के पाँच स्लम महानगरीय क्षेत्र(?) कार्यात्मक प्रदेश में ही पाये जाते हैं ऐसे भी विकसित देशों में श्रमिकों की संख्या अधिक है

6) परिवहन →
7) पानी →
8) सीवरेज की समस्या →
9) कचरा निपटारा
10) खराब सड़कें
11) शहरी अपराध
12) शहरी प्रदूषण
13) गरीबी एवं अमीर लोगों में अंतर
14) ध्वनि प्रदूषण

इन सबको describe करो